Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 16 September 2024

Dainik Jagran
Page - 01, 04

समाज को समरस बनाते हैं संत, महात्मा और ऋषि : प्रो. विश्वनाथ

- साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष ने बताया समरस समाज के निर्माण में संतों का अवदान
- गोंडा में 14 सितंबर से शुरू हुई दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

तत्कालीन सत्रों में विद्वानों ने रखे विचार

संगोष्ठी के दूसरे दिन तत्कालीन सत्रों का आयोजन हुआ। लोक-जनेश्वरी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर एस. डी. त्रिपाठी एवं संचालन डॉ. रमाकांत पांडेय ने किया। अध्यक्षता एवं संचालन करते हुए प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने कहा कि संत समाज को सही दिशा देते हैं। संत ही समाज को एक सूत्र में पिरोते हैं। संत ही समाज को जोड़ने का काम करते हैं। संत ही